



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 218]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 26, 2018/आषाढ़ 5, 1940

No. 218]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 26, 2018/ASHADHA 5, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 2018

मामला सं. (एसएसआर) -12/2018

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 4, 4 डायमिनो स्टिलबीन 2, 2 डिसल्फोनिक एसिड (डीएसडीए) के आयातों से संबंधित निर्णायक जांच की शुरूआत

1. **फा. सं. 7/22/2018-डीजीएडी.**—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, चीन जन. गण. से 4, 4 डायमिनो स्टिलबीन 2, 2 डिसल्फोनिक एसिड (डीएसडीए) के आयातों पर दिनांक 22 नवम्बर, 2013 की अधिसूचना सं 14/1/2012-डीजीएडी द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। यह शुल्क दिनांक 23 जनवरी, 2014 की अधिसूचना सं. 09/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा लगाया गया था।

2. यतः सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम 1995 की धारा 9क(5) के अनुसार लागू पाटनरोधी शुल्क को यदि उससे पहले न हटाया जाए तो उनके लागू होने की तारीख से पाँच वर्षों के बाद वह निष्प्रभावी हो जाते हैं और प्राधिकारी के लिए इस बात की समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की आशंका है। उक्त के अनुसार प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किए गए विधिवत रूप से साक्ष्यांकित आवेदन के आधार पर इस बात की समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की आशंका है।

3. और यतः डाइस्टफ्स मैनुफेक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, मुम्बई ने संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ताओं के प्रतिनिधि निकाय होने का दावा करते हुए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की शुरुआत करने का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1 अक्टूबर, 2015 की अधिसूचना सं 15/18/2015-डीजीएडी द्वारा मध्यावधि समीक्षा (एमटीआर) जाँच की शुरुआत की। विस्तृत जांच करने के बाद, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से 4, 4 डायमिनो स्टिलबीन 2, 2 डिसल्फोनिक एसिड (डीएसडी) के आयातों पर 26 सितम्बर, 2016 की अधिसूचना सं 15/18/2015-डीजीएडी द्वारा पाटनरोधी शुल्क को संशोधित किया। यह शुल्क दिनांक 9 नवम्बर, 2016 की अधिसूचना सं. 52/2016-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा लगाया गया था।

4. और यतः मै. दीपक नाइट्राइट इंडस्ट्रीज लि. (जिसे आगे याचिकाकर्ता कहा गया है) द्वारा चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्धवस्तु के पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का आरोप लगाते हुए 4, 4 डायमिनो स्टिलबीन 2, 2 डिसल्फोनिक एसिड (डीएसडी) के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को पांच वर्षों की आगामी अवधि तक लागू रखने के लिए उसकी निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई है।

क. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. विचाराधीन उत्पाद 4, 4 डाइएमिनो स्टिलबीन 2, 2 डाइसल्फोनिक एसिड (डीएसडी) के नाम से भी उल्लिखित) है। इसे 2, 2'- (1, 2- इथिलीनेडायल) बिस (5- एमिनोबेंजीनसल्फोनिक एसिड), 4, 4'- डाइएमिनोस्टिलबेन- 2,2'- डाइसल्फोनिक एसिड, 2, 2'- इथीन-1, 2-डायाल्बिस (5- एमिनो बेंजीन सल्फोनिक एसिड), एम्सोनिक एसिड और डीएसडी एसिड के नाम से भी जाना जाता है। डीएसडी हल्के पीले रंग का चूर्ण/क्रीम है जिसका उपयोग रंगाई सामग्री जैसे ऑप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट, फ्लोरोसेंट ब्राइटनिंग एजेंट, के सिंथेसिस के लिए किया जाता है।

6. विचाराधीन उत्पाद अध्याय शीर्ष 29215990 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है, यद्यपि उसे अनेक अन्य टैरिफ शीर्षों जैसे 29214290, 29222190, 29222990, 29309099 आदि के अधीन भी आयात किए जाने की सूचना मिली है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और इस जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं हैं।

7. याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से समान वस्तुएं हैं। आयातित उत्पाद और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है और उपभोक्ता इनका एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर सकते हैं।

ग. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

8. यह याचिका मै. दीपक नाइट्राइट इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने देश में विचाराधीन उत्पाद के प्रमुख उत्पादक होने का दावा किया है। याचिकाकर्ता ने यह प्रमाणित किया गया है कि वे संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के किसी उत्पादक/निर्यातक से संबंधित नहीं हैं या उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है और इसलिए नियमावली के अर्थ के भीतर वह घरेलू उद्योग माने जाने के पात्र हैं। प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता कंपनी को घरेलू उद्योग माना है और आवेदन संबंधित नियमावली के नियम 5 के अनुसार योग्यता संबंधी मापदंडों को पूरा करता है।

शामिल देश

9. चीन जन.गण. के विरुद्ध शुल्क लागू है। अतः इस निर्णायक समीक्षा में केवल चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लागू शुल्क को शामिल किया जाएगा।

निर्णायक समीक्षा की शुरुआत

10. पाटन के जारी रहने और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को सिद्ध करते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर स्वयं को संतुष्ट करने के बाद प्राधिकारी एतद्वारा पाटनरोधी नियमों के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार यह समीक्षा करने के लिए कि क्या संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अधिरोपित शुल्क को हटाए जाने का परिणाम संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति के रूप में होगा और संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के विरुद्ध लागू निश्चयात्मक शुल्क के अधिरोपण को जारी रखने की आवश्यकता के निर्धारण के लिए जांच प्रारंभ करते हैं।

प्रक्रिया

11. इस समीक्षा में दिनांक 22 नवम्बर, 2013 की अंतिम जॉच परिणाम अधिसूचना सं 14/1/2012-डीजीएडी और 26 सितम्बर, 2016 की अधिसूचना सं 15/18/2015-डीजीएडी जिसमें चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डीएएसडीए के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की गई थी, के सभी पहलू शामिल होंगे।

12. संबंधित नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 के उपबन्ध आवश्यक संशोधनों के साथ इस समीक्षा पर लागू होंगे।

जांच अवधि

13. प्राधिकारी ने जांच अवधि के रूप में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 (12 माह) तक की अवधि को लिया है। क्षति जॉच अवधि में 2014 – 2015, 2015 – 2016, 2016 –2017 और जॉच अवधि शामिल होगी।

ज. सूचना प्रस्तुत करना

14. संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों, भारत में स्थित संबद्ध देश के दूतावास के जरिए संबद्ध देश की सरकार, भारत में उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले आयातकों व प्रयोक्ताओं को नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना से प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अवगत कराने का अनुरोध किया गया है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी
व्यापार उपचार महानिदेशालय
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग
चौथा तल , जीवन तारा बिल्डिंग,
5 संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001

15. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत सूचना नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रस्तुत कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी पक्षकार को अन्य पक्षों को उसे उपलब्ध कराने के लिए उसका अगोपनीय अंश भी प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

16. प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करते समय उत्पादक/निर्यातक को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण, उत्पादन तथा बिक्री से संबंधित और भारत एवं अन्य देशों को निर्यात में बाजार परिस्थितियों की मौजूदगी का प्रमाण देना होगा। इस प्रयोजनार्थ, उत्पादक/निर्यातक निम्नलिखित के संबंध में स्पष्टीकरण और पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराएंगे:

- क. कीमत, लागत, कच्ची सामग्री सहित निविष्टि, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश के संबंध में निर्णय मांग एवं आपूर्ति को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों की प्रतिक्रियास्वरूप और राज्य के अत्यधिक हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्ततः दर्शाती है।
- ख. उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति किसी विकृति से प्रभावित नहीं होती है।
- ग. उत्पादक/निर्यातक दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों के अधीन हैं जिससे विधिक निश्चितता और फर्म के प्रचालनों का स्थायित्व सुनिश्चित होता है।
- घ. विनिमय दरों में बाजार दर के आधार पर परिवर्तन किया जाता है।

समय-सीमा

17. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई के लिए कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, रिकार्ड में "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।
18. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपायों को जारी रखने की जरूरत या अन्यथा के संबंध में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करें।

अ. गोपनीय/अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

19. यदि प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोधों के किसी भाग के संबंध में गोपनीयता का दावा किया जाता है तो ऐसे मामले में निम्नानुसार दो अलग-अलग सैट (क) गोपनीय रूप से अंकित एक सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि); और (ख). अगोपनीय रूप में अंतिम दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) प्रस्तुत करना होगा। दी गई समस्त सूचना पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए।

20. किसी गोपनीय अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। समस्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय रूपांतरण की दो (2) प्रतियां और अगोपनीय रूपांतरण की दो (2) प्रतियां प्रस्तुत की जानी चाहिए।

21. गोपनीय होने का दावा की गई सूचना के लिए में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है और/या ऐसी सूचना का सारांशकरण क्यों संभव नहीं है।

22. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध/रिक्त छोड़ी गई और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

23. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

24. किसी सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा। प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

25. नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

असहयोग

26. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General Of Trade Remedies)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 2018

Case No. (SSR)-12/2018

Subject: Initiation of Sunset Review investigation concerning imports of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) originating in or exported from China PR

1. **F. No. 7/22/2018-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as AD Rules) recommended imposition of definitive anti-dumping duties were imposed vide Notification No. 14/1/2012 – DGAD dated 22nd November, 2013 on imports of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) from China PR. The same were imposed vide Notification No. 09/2014 Customs (ADD) dated 23rd January, 2014.
2. Whereas in terms of Section 9A(5) the Customs Tariff(Amendment) Act 1995 the antidumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantial request made by or on behalf of the domestic industry, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
3. And whereas the Dyestuffs Manufactures Association of India, Mumbai, claiming itself as a representative body of users of the subject goods, submitted an application requesting for initiation of a review of the anti-dumping duties imposed on the imports of the subject goods from the subject country. The Designated Authority, vide Notification No. 15/18/2015-DGAD dated 1st October, 2015, initiated the Mid-term Review (MTR) investigation. After conducting detailed investigation, the Authority revised the anti-dumping duty vide Notification No. 15/18/2015– DGAD dated 26th September, 2016 on imports of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) from China PR. The same were imposed vide Notification No. 52/2016 Customs (ADD) dated 9th November, 2016.

4. And whereas, a petition has been filed by M/s. Deepak Nitrite Industries Ltd, (hereinafter referred to as petitioner) in accordance with the Act and the Rules, seeking initiation of a sunset review of the Anti-dumping duty in force on import of “4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA)”, for extending the duties for a further period of five years, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury of the subject goods originating in or exported from China PR.

Product under consideration and like article

5. The product under consideration is 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (also referred to as DASDA). It is also known as 2, 2'- (1, 2- Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid), 4, 4'- Diaminostilbene- 2, 2'-Disulfonic Acid, 2, 2'-ethene-1, 2-diylbis (5- amino benzene sulfonic acid), Amsonic Acid and DSD Acid. DASDA is a light yellow color powder/cream, which is used in synthesis of dye stuffs, like optical brightening agents, fluorescent brightening agents, etc.
6. The product under consideration is classified under chapter heading 29215990, although reportedly being imported under a number of other tariff headings such as 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation. Since the present investigation being a sunset review investigation, product under consideration remains the same as defined in the previously conducted investigation.
7. Petitioner has submitted that the subject goods produced by them are like article to the goods imported from the subject country in terms of physical and technical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. The imported products and the domestically produced goods are technically and commercially substitutable and consumers use them interchangeably.

Domestic Industry and Standing

8. The petition has been filed by M/s. Deepak Nitrite Industries Ltd. Petitioner claims to be the major producers of the product under consideration in the Country. The petitioner has certified that they are not related to producer/exporter of the product under consideration in subject country or have imported the subject good from the subject country during the Period of investigation and therefore is eligible to be treated as “domestic industry” within the meaning of Rules. The Authority has considered the petitioner company as domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

Countries Involved

9. The duties are in force against China PR. Therefore, this sunset review will cover the duty in force on the subject goods originating in or exported from China PR only.

Initiation of Sunset Review

10. Having satisfied itself, on the basis of the positive evidence submitted by the domestic industry, substantiating the likelihood of continuation of dumping and recurrence of injury, the Authority hereby initiates an investigation in accordance with Section 9A (5) of the Act read with Rule 23 of Anti-dumping Rules, to review whether revocation of the duty on imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries, shall lead to continuation or recurrence of dumping of the subject goods from the subject countries and continuation or recurrence of injury to the domestic industry, and need for continued imposition of the definitive duty in force against the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Procedure

11. The review will cover all aspects of the final findings Notification No 14/1/2012 – DGAD dated 22nd November, 2013 and Notification No. 15/18/2015– DGAD dated 26th September, 2016 recommending imposition of anti-dumping duty on imports of DASDA originating and exported from China PR.
12. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rule supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

Period of Investigation

13. The period of investigation is April 2017 to March, 2018 (12 months). The injury investigation period shall cover the periods 2014-15, 2015-16, 2016-17 and the POI.

Submission of information

14. The known exporters in the subject country, the Government of the subject country through their embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**The Designated Authority,
Directorate General of Trade Remedies,
Department of Commerce Ministry of Commerce & Industry,
4th Floor, Jeevan Tara Building, 5 Parliament Street,
New Delhi -110001.**

15. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to submit a non-confidential version of the same to be made available to the other parties.
16. While submitting questionnaire response, producer/ exporter may have to demonstrate prevalence of market condition related to manufacture, production and sale of subject good in the domestic market and in export to India and other countries. For this purpose, the producer/exporter, may clarify and provide sufficient information on the following:
- a. Decision in regard to price, cost, input including raw material, cost of technology and labor, output, sales and investment, are made in response to market signal reflecting supply and demand and without significant state interference and weather cost of major inputs substantially reflect market value.
 - b. Production costs and financial situation does not suffer from any distortion.
 - c. The producers/exporters are subject to bankruptcy and property law which guarantees legal certainty and stability for the operation of the firms.
 - d. Exchange rate conversions are carried out at the market rate

Time limit

17. Any information relating to the present investigation and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-Dumping Rules.
18. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to impose the Antidumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation

Submission of Information on Confidential/Non-Confidential basis

19. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire's response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.

20. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.
21. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such Information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.
22. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out /summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
23. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
24. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

25. In terms of Rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

Non-cooperation

26. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such as deemed fit.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority